मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की

निवेशकों को तुरंत इस्तेमाल लायक आधारभूत ढांचे की सुविधा दें: योगी

निर्देश

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन गया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर निवेशक के साथ लगातार संवाद बना रहना चाहिए और किसी भी स्तर पर देरी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। 'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' यही नए उत्तर प्रदेश की पहचान होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश को नई रफ्तार देने के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा में कहा कि ललितपुर फार्मा पार्क से जुड़े कामों में और तेजी लाई जाए। कई बड़ी दवा कंपनियों ने यहां निवेश में रुचि दिखाई है, ऐसे में उनसे लगातार संवाद बनाए रखा जाए और भूमि, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं समय पर दी जाएं। मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। निवेशक को पहले दिन से तैयार सुविधाएं मिलने पर वो तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल उत्तर प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा।

एनसीआर में कारपोरेट मुख्यालय खुलवाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कंपनियों के कॉरपोरेट मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे। उन्होंने ताइवान डेस्क को लेकर साफ कहा कि यहां प्रयास और तेज किए जाएं।

06
हजार करोड़ रुपये विदेशी निवेश प्रदेश में इस वर्ष हुआ

- स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' से तेज होगा प्रदेश का औद्योगिक विकास
- एफडीआई बढ़ाने के लिए निवेशकों से संवाद के साथ और तेज करें प्रयास

683 मिलियन डॉलर विदेश निवेश मिला

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर 2025 तक की अवधि में उत्तर प्रदेश को 683 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। चालू अवधि में प्रदेश को 5,963 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश है। एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत अब तक 11 निवेश आवेदकों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं। इसके अलावा 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं।

खाड़ी के देश भी यूपी में निवेश करने के इच्छुक

खाड़ी सहयोग परिषद सेक्टर डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि दिल्ली, नोएडा, मुंबई, लखनऊ और कानपुर में अब तक 6 गोलमेज बैठकें हो चुकी हैं, जिनसे 83 कंपनियों के साथ सीधा संवाद बना और करीब 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि दिखाई दी है।

जापान की 125 कंपनियों के साथ बात चल रही है

जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो के ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और दस्तावेजी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कांसाई फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री एसोसिएशन की 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप चल रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।